

POWER-POTENCY-PERFORMANCE




- ✓ **Loss of libido**
- ✓ **Erectile dysfunction**
- ✓ **Premature ejaculation**
- ✓ **Testosterone imbalance**
- ✓ **Sperm count**
- ✓ **Endurance**



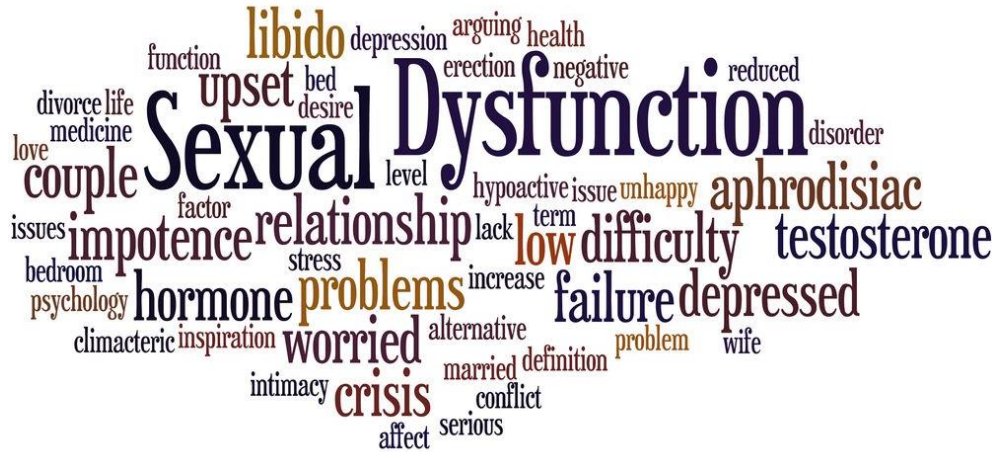
EACH 500 MG TABLET CONTAIN EXTRACTS :

Clove (<i>Syzygium aromaticum</i>)	25 mg
Kanghail (<i>Abutilon indicum</i>)	100 mg
Shatavari (<i>Asparagus racemosus</i>)	100 mg
Kaunch (<i>Mucuna pruriens</i>)	25 mg
Musli (<i>Chlorophytum borivillianum</i>)	100 mg
Gokhru (<i>Tribulus terrestris</i>)	50 mg
Ashwagandha (<i>Withania somnifera</i>)	100 mg
Excipients	q/s
Colour	Iron redoxide

 **NO**
SIDE EFFECTS

www.krsmultipro.com
info@krsmultipro.com
Toll Free- 18001205787

यौन रोग एक ऐसी समस्या है जो किसी व्यक्ति या जोड़े को यौन गतिविधि से संतुष्टि का अनुभव करने से रोकती है। लगभग 43% महिलाएं और 31% पुरुष कुछ हद तक यौन रोग समस्या से ग्रसित होते हैं।



Sexual dysfunction can be any problems that prevent a person or couple from experiencing satisfaction from sexual activity. Some 43% of women and 31% of men report some degree of sexual dysfunction.

The Most Common

Sexual Problems

Men and Women Face!



महिलाओं और पुरुषों की सामान्य सेक्स समस्याएं -

- 1. प्री मच्योर इजेकुलेशन** - पुरुष में अगर सेक्स करते समय, समय से पहले सीमेन निकल जाए तो इसे प्री मच्योर इजेकुलेशन (Pre Mature Ejaculation) कहा जाता है।
- 2. इरेक्टाइल डिस्फंक्शन** - कामेच्छा के समय पेनिस में तनाव न आना या आते ही पेनिस का ढीला पड़ जाना इरेक्टाइल डिस्फंक्शन (Erectile disinfction) कहलाता है। इसका प्रमुख कारण शारीरिक न होकर मानसिक होता है। पेनिस में तनाव ना आने की सबसे बड़ी वजह चिंता और टेंशन है।
- 3. दर्द भरा इंटरकोर्स-** यह महिलाओं की आम समस्या है। इंटरकोर्स के दौरान दर्द होना भी कई महिलाओं को सेक्स से दूर करता है। इसकी वजह वेजाइना (Vagina) में सूखेपन, सूजन या किसी इंफेक्शन आदि हो सकती है।
- 4. गुप्त अंगों में इंफेक्शन-** गुप्त अंग में खुजली एक और सेक्स समस्या है। इंफेक्शन, ठीक से वेजाइना की सफाई ना करने, कब्ज, गुप्त अंगों में इंफेक्शन आदि के कारण हो जाती है।
- 5. सेक्स की इच्छा में कमी-** सामान्य तौर पर महिलाओं में यह समस्या देखने को मिलती है। महिलाओं में सेक्स की इच्छा में कमी डिप्रेशन, थकान या स्ट्रेस की वजह से हो सकती है। कई महिलाओं को शरीर के कुछ खास हिस्सों पर हाथ लगाने से दर्द भी महसूस होता है।

महिलाओं और पुरुषों की सामान्य सेक्स समस्याएं -

6. लुब्रिकेशन की कमी- महिलाओं की वेजाइना में लुब्रिकेशन यानि गीलेपन को उत्तेजना का पैमाना माना जाता है. उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं में लुब्रिकेशन की कमी आम है, लेकिन यदि कम उम्र में भी किसी महिला को इसमें कमी की शिकायत होती है, तो इस समस्या का इलाज होना चाहिए।

7. ऑर्गाज्म ना होना या देर से होना- इंटरकोर्स के दौरान महिलाओं का ऑर्गाज्म तक ना पहुंच पाना एक आम सेक्स समस्या है. यह समस्या मानसिक तनाव या सेक्स के दौरान दर्द आदि के कारण हो सकती है।

8. वेजाइनल पेन- महिलाओं को कभी-कभी नाभि के नीचे और प्यूबिक एरिया के आस-पास दर्द होता है. ऐसे में लुब्रिकेशन होता है, पर ऑर्गाज्म नहीं होता , इससे इस एरिया में खून कम जाता है और दर्द होने लगता है।

9. इंपोटेंसी यानि नपुंसकता- इंपोटेंसी के लिए डायबटीज, हाई ब्लडप्रेसर, चर्बी की अधिकता आदि प्रमुख कारण होते हैं. सिगरेट, तंबाकू और एल्कोहल के सेवन से भी इरेक्शन की प्रॉब्लम हो सकती है।

10. पसंद और नापसंद का रखें ख्याल - दोनों पार्टनर की सेक्स को लेकर अलग-अलग पसंद और नापसंद हो सकते हैं। इससे भी सेक्सुअल रिलेशन बनाने में समस्या हो सकती है।

क्यों लोग यौन रोग की समस्या को छुपाते हैं ?

- सामाजिक
- धार्मिक
- तिरस्कार का भय



POSSIBLE CAUSES FOR LOSS OF SEXUAL INTEREST

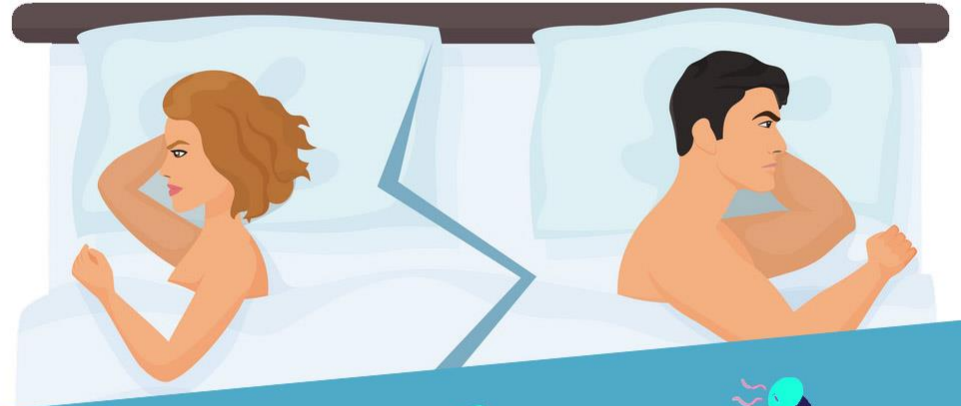
Stress



Depression



Low Self-esteem



Chronic illness



medications



Erectile Dysfunction



hormone imbalances (spurred by menopause and hypogonadism)



Genital pain (such as vaginismus or balanitis)



संकोच और अज्ञानता के कारण लोग बिना सोचे समझे देसी और विदेशी दवाइयों का इस्तेमाल करते हैं जो जानलेवा भी साबित हो सकते हैं।

सेक्स के स्वास्थ्य लाभ

- ✓ तनाव से छुटकारा दिलाता है।
- ✓ इम्युनिटी बूस्ट करता है।
- ✓ कैलोरी की खपत होती है।
- ✓ हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है।
- ✓ सेल्फ-एस्टीम को बढ़ाता है।
- ✓ अंतरंगता को बढ़ाता है।
- ✓ दर्द कम करता है।
- ✓ प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को कम करता है।
- ✓ पेल्विक फ्लोर मसल्स को मजबूत करता है।
- ✓ बेहतर सोने में मदद करता है।



यौन स्वास्थ्य आयुर्वेद के अनुसार



बाजीकरण या वृष चिकित्सा आयुर्वेद के आठ अंगों (अष्टांग आयुर्वेद) में से एक अंग है। इसके अन्तर्गत शुक्रधातु की उत्पत्ति, पुष्टता एवं उसमें उत्पन्न दोषों एवं उसके क्षय, वृद्धि आदि कारणों से उत्पन्न लक्षणों की चिकित्सा आदि विषयों के साथ उत्तम स्वस्थ संतानोत्पत्ति संबंधी ज्ञान का वर्णन आते हैं।

वाजीकरणतंत्रं नाम अल्पदुष्ट क्षीणविशुष्करेतसामाप्यायन
प्रसादोपचय जनननिमित्तं प्रहर्षं जननार्थं च। (सु.सू. १.८)।

आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में रसायन और वाजीकरण योगों का यथासमय सेवन करना उपयोगी बताया गया है। इनको स्वस्थ और व्याधिरहित सामान्य अवस्था में भी सेवन किया जा सकता है, क्योंकि रसायन गुण वाले पदार्थ, योग आदि शक्ति देने वाले, रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाले और वृद्धावस्था के लक्षणों को दूर रखने वाले होते हैं। रसायन योग शरीर के बल की क्षतिपूर्ति करने वाले होते हैं और वाजीकरण योग यौन शक्ति और क्षमता बढ़ाने वाले तथा नपुंसकता दूर करने वाले होते हैं।

चरक संहिता के अनुसार

पतैः प्रयोगैर्विधिवद्गुणान् वीर्योपपन्नो बलवर्णयुक्तः ।
हर्षान्वितो वाजिवदपवपं भवेत् समर्थश्च वराङ्गनास ॥ ३० ॥
इन योगों के उचित उपयोग से, व्यक्ति 8 साल के घोड़े की तरह अच्छे काया, सामर्थ्य, शक्ति, रंग और कामुकता और शक्ति से संपन्न हो जाता है।

वाजीकरणमन्विच्छेत्सततं विषयी पुमान् ।
तुष्टिः पुष्टिरपत्यं च गुणवत्तत्र संश्रितम् ॥ १ ॥
अपत्यसन्तानकरं यत्सद्यः संप्रहर्षणम् ।
वाजीवातिबलो येन यात्यप्रतिहतोऽङ्गनाः ॥ २ ॥
भवत्यतिप्रियः स्त्रीणां येन येनोपधीयते ।
तद्वाजीकरणं तद्धि देहस्योर्जस्करं परम् ॥ ३ ॥

सुख की चाह रखने वाले व्यक्ति को नियमित रूप से वजीकरण, यानी वशीकरण चिकित्सा का सहाय लेना चाहिए। वजीकरण संतोष, पोषण, संतान की निरंतरता और महान खुशी प्रदान करता है। वह दवाइयों या चिकित्सा जिसके द्वारा पुरुष घोड़े की तरह बड़ी ताकत के साथ महिला के साथ संभोग करने में सक्षम हो जाता है, जो उसे महिलाओं के लिए धीरज देता है और जो व्यक्ति के शरीर का पोषण करता है उसे वजीकरण के रूप में जाना जाता है। यह शक्ति और शक्ति का सबसे अच्छा प्रवर्तक है।”

यौन स्वास्थ्य आयुर्वेद के अनुसार



हालांकि, वाजीकरण का मुख्य उद्देश्य हमेशा स्वस्थ प्रजनन के लिए सफल मैथुन है, जिसमें यौन सुख सिर्फ एक अतिरिक्त लाभ है; इसलिए इसे यूनानी (मनुष्यों की सन्तति सुधार विषय का अध्ययन) का एक हिस्सा माना जाता है। 'हालांकि, इस चिकित्सा का वर्णन विभिन्न यौन और प्रजनन रोगों के अंतर्गत भी किया जाता है, जैसे कि कालिब्या या इरेक्टाइल डिसफंक्शन, बंध्यात्व या बांझपन, शुक्राघाट वात या एज़ोस्पर्मिया और शीघ्रपतन।

वाजीकरण चिकित्सा में वामन (उत्सर्जन), विरेचन (शुद्धि) और स्वेदन (पसीना) के माध्यम से शोधन (शरीर की सफाई) के विभिन्न तरीके शामिल हैं। शोधन थेरेपी के बाद, व्यक्ति की प्रकृति पर आधारित हर्बल और हर्बो-मिनरल्स का संयोजन किया जाता है। थेरेपी के अन्य घटकों में स्वास्थ्य और आनंद को बेहतर बनाना शामिल है – जैसे औषधीय हर्बल तेलों और हर्बल स्नान के साथ मालिश करना, सुगंधित माला पहनना, सुगंधित हर्बल पेस्ट से शरीर का अभिषेक करना, संगीत सुनना आदि।

Clove

Syzygium aromaticum

भारत में लौंग का प्रयोग पुराने समय से किया जाता है। यह घरों में मसालों के रूप में इस्तेमाल होता है।

लौंग का पेड़ एक सदाबहार है जो 8-12 मीटर (26-39 फीट) तक ऊंचा होता है, जिसमें बड़ी पत्तियाँ और क्रिमसन फूल टर्मिनल गुच्छों में होते हैं। फूल की कलियों में शुरू में एक पीला रंग होता है, धीरे-धीरे हरे रंग में बदल जाता है, फिर फसल के लिए तैयार होने पर इनका रंग लाल गुलाबी हो जाता है। इसके फल की लम्बाई अधिकतम दो सेंटीमीटर होती है। जिसको सुखाने के बाद लौंग का रूप दिया जाता है। लौंग स्वाद में तीखी और तासीर में गर्म होती है।

लौंग खाने से हमें विटमिन-B के कई प्रकार और पोषण मिलते हैं। जैसे, विटमिन-B1, B2, B4, B6, B9 और विटमिन-सी तथा बीटा कैरोटीन जैसे तत्व होते हैं। साथ ही विटमिन-K, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट जैसे कई तत्व हमें लौंग से मिलते हैं। लौंग में करीब 30 प्रतिशत फाइबर होता है। लौंग अपनी महक से जहाँ स्वाद बढ़ाने का काम करती है, वहीं कई ऐसी बीमारियों को भी ठीक करने का काम भी करती है जो आपको लंबे समय से परेशान कर रही हों- जैसे, दांतों का दर्द, सांसों की दुर्गंध, गले में खराश वगैरह। लौंग में प्रोटीन, आयरन, कार्बोहाइड्रेट्स, कैल्शियम और सोडियम एसिड भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

Family:- Myrtaceae

Synonyms:- Laung, Clove, Cengkih, Chengkeh, Chingkeh

Parts used:- Flower

Widely grown:- India, Madagascar, Zanzibar, Pakistan, Sri Lanka, Pemba Island



Benefits of Clove

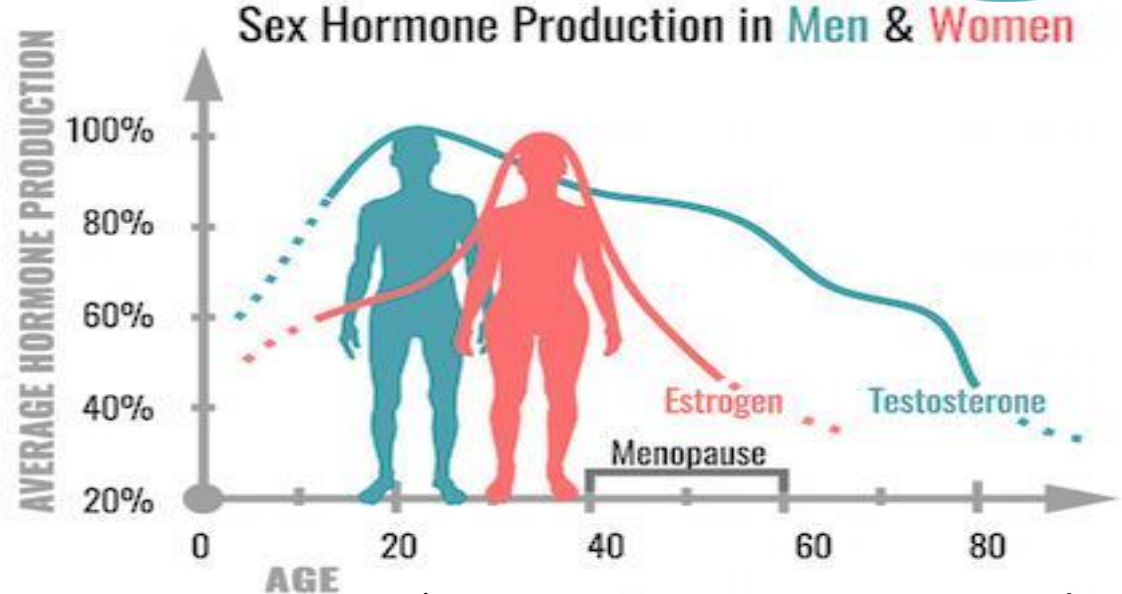
1. टेस्टोस्टेरोन स्तर में सुधार

मनुष्य के सेक्स ड्राइव और यौन प्रदर्शन को बनाए रखने के लिए टेस्टोस्टेरोन आवश्यक ईंधन में से एक है। निम्न टेस्टोस्टेरोन स्तर से स्तंभन दोष भी हो सकता है जो संतोषजनक सेक्स करने की क्षमता को बाधित कर सकता है। इसके अलावा, यह शुक्राणुओं की संख्या को कम कर सकता है, जिससे बांझपन हो सकता है। टेस्टोस्टेरोन के स्तर में गिरावट के साथ, पुरुष सेक्स में कम रुचि का अनुभव करते हैं।

अध्ययनों से पता चला है कि लैंग के अर्क की कम खुराक (15 मिलीग्राम / किग्रा) ने डेल्टा (5) 3 बीटा-एचएसडी और 17 बीटा-एचएसडी की गतिविधियों को बढ़ा दिया और इस प्रकार, टेस्टोस्टेरोन के सीरम स्तर में काफी सुधार हुआ।

2. इम्यून करे बूस्ट

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर शरीर को कई तरह के रोगों से बचाया जा सकता है। लैंग शरीर को वायरस, बैक्टीरिया आदि के संक्रमण से बचाता है। इसका मुख्य कार्य शरीर को संक्रमण और रोगाणुओं से बचाना होता है।



Benefits of Clove



3. नर्वस स्टिमुलेशन को बढ़ाता है

लौंग के अर्क के फाइटो-केमिकल अध्ययन ने स्टेरोल्स और फिनोल की उपस्थिति का संकेत दिया है। इन यौगिकों को तंत्रिका उत्तेजना उत्पन्न करने के लिए जाना जाता है जो अंततः यौन उत्तेजना पैदा करता है ।



4. यौन प्रदर्शन में सुधार करता है

लौंग स्खलन के समय पर अधिक नियंत्रण के साथ स्खलन के समय को कम करने के लिए सहायक पाया गया है और स्खलन से पहले वृद्धि हुई इंट्रोक्वूशन आवृत्ति यानी स्ट्रोक की संख्या में वृद्धि करता है । यह सेक्स या कामोन्माद होने से पहले Refractory Period यानी समय अंतराल को छोटा कर देता है, इस तरह से लिंग का बढ़ना बढ़ जाता है।

इसके अलावा, लौंग के अर्क ने पेनाइल रिप्लेक्सिस के सभी घटकों की आवृत्ति में काफी वृद्धि की- इरेक्शन (ई), क्विक फ्लिप्स (क्यूएफ) और लॉन्ग फ्लिप्स (एलएफ), जो इसे स्तंभन के लिए एक शक्तिशाली जड़ी बूटी बनाता है ।



Kanghai/Atibala

Abutilon indicum

अति का अर्थ है बहुत और बला का अर्थ है शक्तिशाली, अर्थात् इस पौधे के गुणों को बहुत शक्तिशाली माना जाता है। कंघाइ/अतिबला के पौधे का उपयोग इससे होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभों के लिए किया जाता है। कई हिस्सों में इसे कंघी पौधे के नाम से भी जाना जाता है। यह झाड़ीनुमा पौधा होता है जो सामान्य तौर पर एक से डेढ़ मीटर लंबा होता है, लेकिन कुछ स्थानों पर यह तीन मीटर तक भी भी बढ़ा हो सकता है।

अतिबला के दांत वाले आकार के बीज की फली और सुनहरे पीले फूल इसे विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। आयुर्वेद ही नहीं सिद्ध चिकित्सा, यूनानी और लोक चिकित्सा प्रणालियों में भी सैकड़ों वर्षों से इस चमत्कारी पौधे को प्रयोग हो रहा है। सिद्ध चिकित्सा में तो इस पौधे की जड़ों सहित पूरे पौधे को सुखाकर बवासीर से लेकर शुक्राणुओं की संख्या बढ़ाने के उपचार के लिए इसे प्रयोग में लाया जाता रहा है।

भारत के तमाम हिस्सों विशेषकर कर्नाटक और तमिलनाडु (मूल) में यह पौधा बड़ी संख्या में सड़क के किनारे उगता हुआ मिल जाता है।

Family:- Malvaceae

Synonyms:- Country mallow, Kanghai, Kangh, Atibalaa

Parts used:- Bark,Seed,Flower,Leaf, Root

Widely grown:- Africa, Asia and Australia



Benefits of Atibala



1. शरीर को शक्तिशाली बनाना

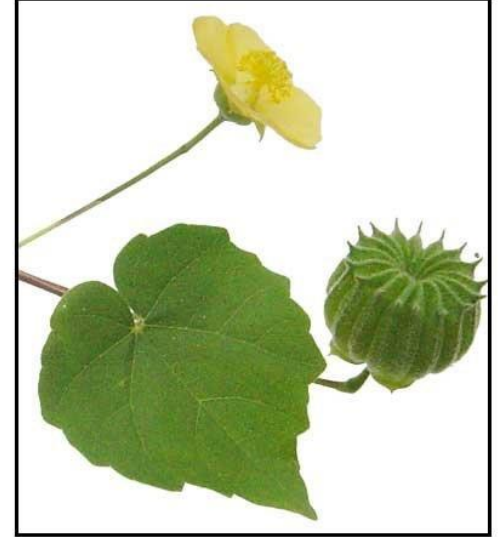
अगर अप हमेशा थकान और कमजोरी महसूस करते हैं, तो आपको इस पौधे का इस्तेमाल करना चाहिए। शरीर में कमजोरी होने पर अतिबला के बीजों को पकाकर खाने से शरीर की ताकत काफी बढ़ जाती है।

2. एंटीऑक्सीडेंट के लिए

कई अनुसंधान से पता चलता है कि अतिबला के पौधे के एन-हेक्सेन और बुटानॉल अर्क में धीमी गति से और तेजी से प्रतिक्रिया करने वाले एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। ये सुपरऑक्साइड जैसे हानिकारक फ्री रेडिकल्स को हटाने में मदद करते हैं। यह फ्री रेडिकल्स ऊतकों और अंगों में ऑक्सीडेटिव क्षति का कारण बन सकते हैं। पौधे के बाहरी (जमीन के ऊपर उगने वाला हिस्सा) और जड़ दोनों में फ्लेवोनोइड और फेनोलिक यौगिक होते हैं जो एंटीऑक्सीडेंट प्रभावों को और मजबूती देते हैं। इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने पाया कि अतिबला पौधे का फ्री रेडिकल्स को हटाने का गुण इसकी खुराक पर निर्भर करता है। इसका मतलब है कि खुराक जितनी अधिक होगी यह मुक्त कणों को हटाने में उतना ही प्रभावी होगा।

3. पुरुष यौन रोग

पुरुषों में यौन रोग कामेच्छा की हानि या यौन क्रिया के तुरंत बाद यह कम इरेक्शन टाइम या वीर्य का जल्दी स्राव भी हो सकता है। इसे 'शीघ्र डिस्चार्ज या शीघ्रपतन' के रूप में भी जाना जाता है। Atibala पाउडर लेने से पुरुष यौन प्रदर्शन में मदद मिलती है। यह वीर्य की गुणवत्ता और मात्रा में वृद्धि करके यौन रोग का प्रबंधन करने में मदद करता है।



Shatavari

Asparagus racemosus

संस्कृत में शतावरी का अर्थ है "सौ जड़ों वाला पौधा"। जैसा कि नाम से पता चलता है, इस पौधे की सैकड़ों जड़ें एक समान रूप से हैं जो रसीला, कंदयुक्त और धुरी के आकार की हैं। पत्तियां आमतौर पर पाइन-सुई के आकार की होती हैं और रंग में चमकदार हरे रंग की होती हैं और तना लकड़ी का होता है और घुमावदार रीढ़ से ढका होता है। औषधीय गुणों वाली जड़ें हल्की राख के रंग की होती हैं जो अंदर की ओर दूधिया सफेद होती हैं और पूरी सतह पर अनुदैर्ध्य झुर्रियाँ होती हैं।

शतावरी में भरपूर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं। शतावरी में मौजूद सक्रिय घटक कार्सिनोजेनिक स्थितियों का इलाज करने में भी मदद करते हैं। ये रासायनिक घटक जो पौधे को इसके औषधीय गुणों को सर्वोत्तम बनाते हैं, उनमें स्टेराइडल सैपोनिन्स होते हैं, जिन्हें शतावरिन, ओलिगोसैकेराइड्स, म्यूसिल, आइसोफ्लेवोन, एल्कलॉइड्स, रुटिन और क्वेरसेटिन जैसे फ्लेवोनोइड्स और स्टेरोस्टर्स जैसे सीटरोस्टेरॉल के रूप में जाना जाता है। विटामिन ए और एस्कॉर्बिक एसिड जैसे विटामिन युक्त होने के अलावा, पौधे में गामा-लिनोलेनिक एसिड जैसे आवश्यक फैटी एसिड की उपस्थिति भी होती है जो हाइपरकोलेस्टेरिमिया, हृदय रोग, अवसाद, मधुमेह और गठिया जैसी स्थितियों के उपचार में उच्च महत्व रखते हैं।

Family:-Liliaceae

Synonyms:- Sahanspal, Satavar,, Sahansarmuli, Shatavri, Shatavir, Satmuli, and Sootmooli,Kilavari,

Parts used:- Root,Bark,Leaf,Flower

Widely grown:- Australia, Africa, China, India and Certain parts of Asia



Benefits of Shatavari



1. प्रतिरोधक क्षमता के लिए-

शतावरी में मौजूद विटामिन और मिनरल प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। शतावरी में मौजूद विटामिन-ए, विटामिन-सी और विटामिन-ई शरीर से जुड़े संक्रमण पर प्रभावी असर दिखाते हैं ।

2. मस्तिष्क स्वास्थ्य में-

शतावरी में मौजूद ओमेगा-3, विटामिन बी-6 और राइबोफ्लेविन मस्तिष्क स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इनके प्रयोग से डिप्रेशन जैसी समस्या में सुधार देखा गया है । एक अन्य वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, विटामिन बी-6 के सेवन से मस्तिष्क विकास में और प्रतिरक्षा को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है ।

3. महिला प्रजनन प्रणाली के लिए शतावरी-

शतावरी कई हार्मोनल समस्याओं का इलाज करने में मदद करती है। यह न केवल एंडोमेट्रियोसिस (यानी गर्भाशय के अस्तर की सूजन) के इलाज में मदद करता है, बल्कि रक्त के भीतर हार्मोनल स्तर को भी बनाए रखता है, महिला प्रजनन अंगों को मजबूत करता है और रोम के लिए अंडे की परिपक्वता को बढ़ाता है। प्राकृतिक कामोत्तेजक होने के कारण, शतावरी मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में मदद करती है और कामेच्छा बढ़ाने के लिए हार्मोन को उत्तेजित करती है।

4. पुरुष प्रजनन प्रणाली के लिए शतावरी-

हालांकि शतावरी का उपयोग ज्यादातर महिला प्रजनन प्रणाली के लिए किया जाता है, लेकिन यह पुरुषों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए भी फायदेमंद है। रूट पाउडर में शक्तिशाली स्पर्मेटोजेनिक गुण होते हैं जो टेस्टोस्पर्मिया (यानी असामान्य शुक्राणु आकार), ऑलिगोस्पर्मिया (यानी कम शुक्राणु संख्या), हाइपोस्पर्मिया (वीर्य की कम मात्रा), एस्थेनोजोस्पर्मिया (यानी शुक्राणु गतिशीलता) और शुक्राणुजनन (यानी शुक्राणु) को बढ़ाने के लिए बेहद उपयोगी होते हैं। उत्पादन। एक प्राकृतिक एंटीऑक्सिडेंट होने के कारण, यह टेस्टोस्टेरोन और ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन जैसे पुरुष हार्मोन के उत्पादन में सुधार करता है। यह स्तंभन दोष और शीघ्रपतन जैसी स्थितियों का भी इलाज करता है।



Kaunch

Mucuna pruriens

दुनिया के कई हिस्सों में कौंच का उपयोग एक महत्वपूर्ण चारा, परती और हरी खाद की फसल के रूप में किया जाता है। चूंकि यह फलियों की श्रेणी का पौधा है, यह नाइट्रोजन को ठीक करता है और मिट्टी को निषेचित करता है। इंडोनेशिया विशेष रूप से जावा में,, कौंच बीज को खाया जाता है और व्यापक रूप से 'बेंगुक' के रूप में जाना जाता है। फलियों को भी भोजन बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

कौंच बीज में 11-23% कूड प्रोटीन, 35-40% कूड फाइबर और 20-35% कूड प्रोटीन होते हैं। कुछ देशों में समस्याग्रस्त इष्टा सिलिंड्रिका घास के जैविक नियंत्रण के रूप में भी इसका उपयोग किया जाता है। आयुर्वेद में कौंच बीज चूर्ण को अनेक रोगों की चिकित्सा में प्रयोग किया जाता है विशेष रूप से पुरुषों में शुक्राणुओं की मात्रा बढ़ाने में किया जाता है। इसके अलावा यह पार्किंसनिज़्म के लक्षणों को कम करने में उपयोगी है।

Family:-Fabaceae

Synonyms:- Kewanha, Kaunch, Kewachh

Parts used:- Seed

Widely grown:- Africa, America, China, India



Benefits of Kaunch



1. टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन बढ़ाता है-

कौंच के बीज में प्रोलैक्टिन नामक एक हार्मोन पाया जाता है। ये प्रोलैक्टिन प्रजनन, चयापचय और इम्यूनोग्यूलैटरी कार्यों के लिए फायदेमंद होता है। ये टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन करता है। इससे पुरुषों की शारीरिक अक्षमता दूर होती है।

2. गहरी नींद आती है और बढ़ती उम्र का असर कम होता है-

कौंच के बीज खाने से पीनियल ग्रंथि पर सक्रिय होती है। जिससे नींद लाने वाले हार्मोन मेलाटोनिन उत्पन्न होते हैं। इससे डोपामाइन नामक रसायन का भी स्राव होता है। जिससे व्यक्ति को गहरी नींद आती है। यह यौगिक पिट्यूटरी ग्रंथि को भी उत्तेजित करता है और स्वस्थ हार्मोन को पूरे जीवन तक बनाए रखता है। इससे बढ़ती उम्र का असर कम होता है।

3. मांसपेशियों के विकास में फायदेमंद -

कौंच के बीज में प्रोटीन, हेल्दी फैट, फाइबर तत्व पाए जाते हैं जो मांसपेशियों के विकास में मदद करते हैं। इससे शरीर को एनर्जी भी मिलती है।

4. मूड को बेहतर बनाता है-

चूंकि कौंच का बीज खाने से माइंड में खुशी देने वाला रसायन रिलीज होता है, इसलिए ये मूड को बेहतर बनाने का काम करता है।



Musli

Chlorophytum borivilium

सफेद मूसली एक सालाना पौधा है, जिस की ऊंचाई तकरीबन 40-50 सेंटीमीटर तक होती है और जमीन में घुसी मांसल जड़ों की लंबाई 8-10 सेंटीमीटर तक होती है। तैयार जड़ें भूरे रंग की हो जाती हैं। सफेद मूसली में खास तरह के तत्व सेपोनिन और सेपोजिनिन पाए जाते हैं और इन्हीं तत्वों की वजह से ही सफेद मूसली एक औषधीय पौधा कहलाता है। यौवनवर्धक, शक्तिवर्धक और वीर्यवर्धक दवाएं सफेद मूसली की जड़ों से ही बनती हैं।

सफेद मूसली की खेती के लिए गरम जलवायु वाले इलाके, जहां औसत सालाना बारिश 60 से 115 सेंटीमीटर तक होती हो मुनासिब माने जाते हैं। इस के लिए दोमट, रेतीली दोमट, लाल दोमट और कपास वाली लाल मिट्टी जिस में जीवाश्म काफी मात्रा में हों, अच्छी मानी जाती है। उमदा क्वालिटी की जड़ों को हासिल करने के लिए खेत की मिट्टी का पीएच मान 7.5 तक ठीक रहता है। सफेद मूसली की जड़ों में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फाइबर, सैपोनिंस जैसे पोषक तत्व और कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम आदि खनिज प्रमुखता से पाए जाते हैं।

Family:- Asparagaceae

Synonyms:- Dholi Musli, Indian Spider Plant, Khiruva, Musli, Shedheveli, Swetha Musli

Parts used:- Root

Widely grown:- Tropical and subtropical Africa, Mainly in India



Benefits of Musli



1. सेक्स पावर बढ़ाने में उपयोगी -

सफेद मूसली यौन शक्ति बढ़ाती है वहीं कुछ लोग तो इसका इस्तेमाल हर्बल वियाग्रा के तौर पर करते हैं। सफेद मूसली पाउडर में ऐसे गुण होते हैं जो कामोत्तेजना बढ़ाने के साथ साथ टेस्टोस्टेरोन जैसे प्रभाव वाले सेक्स हार्मोन का स्तर बढ़ा सकते हैं। इसलिए सेक्स क्षमता बढ़ाने के लिए सफेद मूसली का उपयोग करना सही है।

2. शीघ्रपतन रोकने में उपयोगी -

खराब जीवनशैली और खानपान की वजह से अधिकांश लोग शीघ्रपतन की समस्या से ग्रसित रहते हैं। कई लोग संकोच के कारण डॉक्टर के पास भी नहीं जाते हैं और इंटरनेट पर शीघ्रपतन रोकने के उपाय खोजते रहते हैं। ऐसे लोगों के लिए सफेद मूसली एक कारगर औषधि है। इसे आप शीघ्रपतन की दवा के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

3. इरेक्टाइल डिसफंक्शन -

सेक्स के दौरान लिंग में उत्तेजना या तनाव की कमी होना इरेक्टाइल डिसफंक्शन की समस्या कहलाती है। स्ट्रेस, डिप्रेशन या किसी दीर्घकालिक बीमारी की वजह से यह समस्या किसी को भी हो सकती है। सफेद मूसली सेक्स की इच्छा को बढ़ाती है साथ ही यह इरेक्टाइल डिसफंक्शन की समस्या को भी ठीक करने में मदद करती है। अक्सर डायबिटीज या अन्य किसी बीमारी के कारण इरेक्टाइल डिसफंक्शन का खतरा बढ़ जाता है ऐसे में सफेद मूसली के सेवन से आप इस खतरे को प्रभावी तरीके से रोक सकते हैं।



Benefits of Musli...



4. नपुंसकता से बचाव -

शोध के अनुसार सफेद मूसली वीर्य का उत्पादन बढ़ाती है और वीर्य की गुणवत्ता में सुधार लाती है। ऐसा माना जाता है कि इसके नियमित सेवन से नपुंसकता के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कौंच के बीज के साथ सफेद मूसली का सेवन नपुंसकता के इलाज में काफी उपयोगी माना जाता है।

5. स्वप्नदोष की कमजोरी दूर करने में सहायक-

स्वप्नदोष एक आम समस्या है और इसके होने के पीछे कई वजहें हो सकती हैं। अगर आप 'स्वप्नदोष की आयुर्वेदिक दवा' खोज रहे हैं तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सफेद मूसली के सेवन से स्वप्नदोष की समस्या पर तो ज्यादा असर नहीं पड़ता है लेकिन यह स्वप्नदोष के बाद होने वाली शारीरिक कमजोरी को दूर करने में बहुत ही लाभकारी है। अगर आप भी बार बार स्वप्नदोष होने की वजह से कमजोरी महसूस कर रहे हैं तो सफेद मूसली का सेवन जरूर करें।

6. बॉडी बिल्डिंग -

सेक्स क्षमता बढ़ाने के अलावा शरीर की ताकत बढ़ाना, सफेद मूसली के प्रमुख फायदों में शामिल है। यही वजह है कि आज के समय में अधिकांश जिम जाने वाले लड़के बॉडी बिल्डिंग के लिए सफेद मूसली को सप्लीमेंट की तरह इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी शारीरिक रूप से कमजोर हैं या थोड़ी सी मेहनत करने के बाद थक जाते हैं तो सफेद मूसली आपके लिए बहुत फायदेमंद है।



Gokhru

Tribulus terrestris

गोखरु वर्षा ऋतु में जमीन पर फैलकर बढ़ने वाला, शाखा-प्रशाखायुक्त पौधा होता है। इसके तने 1.5 मी लम्बे, और जमीन पर फैले हुए होते हैं। शाखाओं के नये भाग मुलायम होते हैं; पत्ते चने के पत्तों के समान, परन्तु आकार में कुछ बड़े होते हैं। इसके फूल पीले, छोटे, चक्राकार, कांटों से युक्त, चमकीले लगभग 0.7-2 सेमी व्यास या डाइमीटर के होते हैं। इसके फल छोटे, गोल, चपटे, पांच कोण वाले, 2-6 कंटक युक्त व अनेक बीजी होते हैं। इसकी जड़ मुलायम रेशेदार, 10-15 सेमी लम्बी, हल्के भूरे रंग के एवं थोड़े सुगन्धित होते हैं। गोखरु अगस्त से दिसम्बर महीने में फलते-फूलते हैं।

गोखरु के गुण अनगिनत हैं। गोक्षुर या गोखरु वातपित्त, सूजन, दर्द को कम करने में सहायता करने के साथ-साथ, रक्त-पित्त(नाक-कान से खून बहना) से राहत दिलाने वाला, कफ दूर करने वाला, मूत्राशय संबंधी रोगों में लाभकारी, शक्तिवर्द्धक और स्वादिष्ट होता है। गोक्षुर का बीज ठंडे तासीर का होता है। इसके सेवन से मूत्र अगर कम हो रहा है वह समस्या दूर हो जाती है। गोखरु का क्षार या रस मधुर, ठंडा तथा वात रोग में फायदेमंद होता है।

Family:- Zygophyllaceae

Synonyms:- Gokhura, Gokshra, Hathichikar, Devil's thorn, Goat head, Puncture vine, Small caltrops

Parts used:- Root, Fruit

Widely grown:- Southern Eurasia and Africa, North America, Australia, India



Benefits of Gokhru



1. शरीर सौष्ठव की खुराक है गोखरु –

गोक्षुर एक प्राकृतिक उपचय (anabolic) है। जो मांसपेशियों को ताकत और मजबूती प्राप्त करने के लिए पूरक के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह शरीर में ऊर्जा के उत्पादन को भी बढ़ाता है। इसका उपयोग मांसपेशियों के संचलन में सुधार और ऊर्जा प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाता है और शरीर की संरचना में सुधार लाता है।

2. बांझपन व यौन विकारों से मुक्ति के लिए –

गोखरु एक प्रभावी कामोद्दीपक (Aphrodisiac) के रूप में कार्य करता है और कामेच्छा (सेक्स की इच्छा) के स्तर को बढ़ाता है। यह वीर्य (semen) की मात्रा को बढ़ाने में और इसकी गुणवत्ता में सुधार लाने में भी बहुत फायदेमंद है। यह यौन अंग में रक्त-प्रवाह को संचालित करता है। यह शरीर में हार्मोन (Hormone) के प्राकृतिक उत्पादन को उत्तेजित करता है और बेहतर सेक्स जीवन को प्राप्त करने में मदद करता है। इसके सेवन से इरेक्टाइल डिसफंक्शन (erectile dysfunction), पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि रोग (Polycystic Ovarian Disease) और बांझपन (infertility) जैसे यौन विकार भी ठीक हो जाते हैं। यह पुरुषों और महिलाओं दोनों में कामेच्छा को बढ़ाता है। प्रजनन क्षमता और स्तनपान (lactation) को बढ़ाता है।



Ashwagandha

Withania somnifera

अलग-अलग देशों में अश्वगंधा कई प्रकार की होती है, लेकिन असली अश्वगंधा की पहचान करने के लिए इसके पौधों को मसलने पर घोंघे के पेशाब जैसी गंध आती है। अश्वगंधा की ताजी जड़ में यह गंध अधिक तेज होती है। वन में पाए जाने वाले पौधों की तुलना में खेती के माध्यम से उगाए जाने वाले अश्वगंधा की गुणवत्ता अच्छी होती है। इसके दो प्रकार हैं-

छोटी असगंध (अश्वगंधा)

इसकी झाड़ी छोटी होने से यह छोटी असगंध कहलाती है, लेकिन इसकी जड़ बड़ी होती है। राजस्थान के नागौर में यह बहुत अधिक पाई जाती है और वहां के जलवायु के प्रभाव से यह विशेष प्रभावशाली होती है। इसीलिए इसको नागौरी असगंध भी कहते हैं।

बड़ी या देशी असगंध (अश्वगंधा)

इसकी झाड़ी बड़ी होती है, लेकिन जड़ें छोटी और पतली होती हैं। यह बाग-बगीचों, खेतों और पहाड़ी स्थानों में सामान्य रूप में पाई जाती है।।

Family:- Solanaceae

Synonyms:- Ajagandha, Amangura,, Asan, Ashgandh,Indian ginseng,Poison gooseberry,Winter cherry

Parts used:- Leaf,Root, Fruit

Widely grown:- India,China,Yemen



Benefits of Ashwagandha



1. इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाता है-

अश्वगंधा में मौजूद ऑक्सीडेंट आपके इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करता है, जो आपको सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। अश्वगंधा वाइट ब्लड सेल्स और रेड ब्लड सेल्स दोनों को बढ़ाने का काम करता है-जो कई गंभीर शारीरिक समस्याओं में लाभदायक है।

2. कामोद्दीपक गुण –

जब पुरुष अश्वगंधा लेना शुरू करते हैं, तो नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन उनके शरीर में उत्तेजित होता है। इसके परिणामस्वरूप जननांगों तक रक्त ले जाने वाली रक्त वाहिकाओं को पतला किया जाता है। यह यौन इच्छा और संतुष्टि में वृद्धि का कारण बनता है।

3. पुरुषों में प्रजनन क्षमता बढ़ाता है-

टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाने के अलावा, अश्वगंधा वीर्य की गुणवत्ता में सुधार करने में भी मदद करता है। अमेरिकन सेंटर फॉर रिप्रोडक्टिव मेडिसिन द्वारा प्रकाशित 2010 के एक वैज्ञानिक अध्ययन ने संकेत दिया कि अश्वगंधा (Ashwagandha) एक कामोद्दीपक के साथ-साथ शुक्राणुओं की संख्या और शुक्राणु की गतिशीलता में वृद्धि करके वीर्य की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।





EACH 500 MG TABLET CONTAIN EXTRACTS :

Clove (<i>Syzygium aromaticum</i>)	25 mg
Kanghail (<i>Abutilon indicum</i>)	100 mg
Shatavari (<i>Asparagus racemosus</i>)	100 mg
Kaunch (<i>Mucuna pruriens</i>)	25 mg
Musli (<i>Chlorophytum borivilianum</i>)	100 mg
Gokhru (<i>Tribulus terrestris</i>)	50 mg
Ashwagandha (<i>Withania somnifera</i>)	100 mg
Excipients	q/s
Colour	Iron redoxide



कामेच्छा की कमी, नपुंसकता, शीघ्रपतन, टेस्टोस्टेरोन का असंतुलन, शुक्राणुओं की कमी, स्वप्नदोष, यौनांग के संक्रमण, और स्त्री - पुरुषों की प्रजनन क्षमता के सुधार में अत्यंत लाभकारी

Unleash the power of Modern Ayurveda with 7 powerful herbs
Packed into **INSTA POWER**

www.krsmultipro.com
info@krsmultipro.com
Toll Free- 18001205787



KRS REGAIN POWER

प्रतिरक्षा बूस्टर, उम्र बढ़ने के लक्षणों को उलट देता है, रक्त को शुद्ध करता है, वयापवय कार्यों में सुधार करता है, दिल के कार्यों में सुधार करता है, यौन समस्याओं में सुधार करता है।



- Wheatgrass
- Barley Grass
- Dry Moringa Leaves
- Alfalfa
- Stevia Leaves
- Amla
- Arjun Chal
- Musli

Improves Stamina, Immunity Booster, Reverses Aging Symptoms, Purifies Blood, Improves Metabolic Functions, Improves Heart Functions, Improves Sexual Problems

KRS WOMEN CARE

मासिक धर्म की जटिलताओं का इलाज करता है, हार्मोन संतुलन, चिंता और अवसाद का इलाज करता है, बांझपन का इलाज करता है, ल्यूकोरिया का इलाज करता है, सभी महिला समस्याओं में सुधार करता है।



- Dry Moringa Leaves
- Barley Grass
- Alfalfa
- Stevia Leaves
- Shatavari

Treats Menstrual Complications, Balances Hormones, Treats Anxiety & Depression, Treats Infertility, Treats Leucorrhoea, Improves all female problems

KRS SUPER GREEN

मोटापा को नियंत्रित करता है, वयापवय कार्यों में सुधार करके सामान्य कमजोरी का इलाज करता है, एवडीएल को बढ़ाता है और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, अग्नाशय और यकृत की शक्ति को बढ़ाता है।



- Wheatgrass
- Dry Mango Leaves
- Dry Jamun Leaves
- Guava Leaves

Controls Obesity, Improves Stamina, Treats General Weakness by improving metabolic functions, Enhances HDL & lowers LDL Cholesterol, Improves Pancreatic Functions